CAREER GUIDANCE AND PLACEMENT CELL

**SHRI KULESHWAR MAHADEV GOVT. COLLEGE,
GOBRA NAWAPARA, RAIPUR, CG
www.gcgn.in**

NATS Awareness Programme-cum-Workshop

An **Awareness Programme-cum-Workshop on the National Apprenticeship Training Scheme (NATS)** was organised at **Shri Kuleshwar Mahadev Government College, Gobra Nawapara, Raipur (C.G.)** on **13 August 2026 at 12:00 noon**. The programme aimed to create awareness among students about apprenticeship opportunities, skill development, practical training and career prospects available through the NATS programme.

The programme was presided over by the **Principal, Dr. Madhurani Shukla**. The **Chief Guest and Resource Person was Shri Sonu Uike, Concerned Officer, NATS**, who provided detailed information about the National Apprenticeship Training Scheme and its relevance for students pursuing higher education.

The programme was organised under the guidance and coordination of the **IQAC Coordinator, Dr. Premendra Kumar Upadhyay**, and the **Employment Guidance Cell In-charge, Dr. Anita Saha**. The members of the organising team included **Dr. Razia Sultana, Dr. Saraswati Devi Bervanshi, and Shri Purushottam Kabra**.

During the workshop, Shri Sonu Uike explained the objectives and functioning of NATS and highlighted the importance of apprenticeship-based training in enhancing students' employability. He familiarised the participants with the opportunities available under the scheme and explained how apprenticeship training can help students acquire practical knowledge, workplace skills and

professional experience. He also encouraged students to make use of government-supported apprenticeship opportunities for building successful careers.

The **Principal, Dr. Madhurani Shukla**, in her presidential address, emphasised the importance of connecting academic learning with practical training and

employment opportunities. She encouraged students to actively participate in skill-development programmes and make informed choices regarding their future careers.

A total of **87 participants** attended the programme. The interactive session was an important component of the workshop. The participants actively engaged with the resource person by **asking questions and seeking clarification on various aspects of NATS, including apprenticeship opportunities, eligibility, registration, training and career prospects**. Shri Sonu Uike responded to their queries and provided relevant explanations, making the session informative and useful for the participants.

The workshop successfully enhanced awareness among students regarding the significance of apprenticeship training and its role in improving employability and professional skills. The active participation and interaction of the students reflected their interest in exploring apprenticeship opportunities.

The programme concluded with a **vote of thanks**, expressing gratitude to the Chief Guest and Resource Person, the Principal, IQAC Coordinator, members of the Employment Guidance Cell, faculty members and all participants for their valuable contribution and support. The programme was successful in achieving its objective of sensitising students about NATS and encouraging them to explore apprenticeship opportunities for their professional development.

राजिम / दुर्ग   अमन पथ www.amanpath.in 02

राष्ट्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को प्रशिक्षण एवं रोजगार के अवसरों की जानकारी

अमन पथ न्यूज

नवापारा राजिम। श्री कुलेश्वर महादेव शासकीय महाविद्यालय, गोबरा-नवापारा में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं उद्योग-अकादमिक एकीकरण तथा कौशल, उद्यमिता एवं रोजगार प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में महाविद्यालय के कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय के तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षुता प्रशिक्षण, व्यावहारिक कौशल, उद्योग जगत से जुड़ाव तथा रोजगार की संभावनाओं के संबंध में आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान करना था।कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ के राजकीय गीत से किया गया। इसके पश्चात अतिथियों एवं विषय-विशेषज्ञ का स्वागत किया गया।कार्यक्रम में श्री सोनू उइके जी, संपर्क अधिकारी, शिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण योजना एवं शिक्षुता प्रशिक्षण की प्रक्रिया, प्रशिक्षण के अवसर, आवश्यक पंजीयन, व्यावहारिक अनुभव तथा रोजगार की संभावनाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षुता प्रशिक्षण के उपलब्ध अवसरों का अधिकाधिक लाभ उठाने तथा अपने शैक्षणिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक एवं रोजगारपरक कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

अपने उद्बोधन में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती मधुरानी शुक्ला जी ने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों के लिए केवल शैक्षणिक योग्यता पर्याप्त नहीं है, बल्कि कौशल, व्यावहारिक अनुभव एवं रोजगारपरक दक्षताओं का विकास भी आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण योजना जैसी योजनाओं का लाभ उठाकर अपने ज्ञान एवं कौशल को विकसित करने तथा भविष्य के रोजगार अवसरों के लिए स्वयं को तैयार करने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं विषय-विशेषज्ञ के बीच प्रश्नोत्तर एवं संवाद सत्र भी आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने शिक्षुता प्रशिक्षण, पंजीयन प्रक्रिया, प्रशिक्षण के अवसर एवं रोजगार से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे तथा विशेषज्ञ से मार्गदर्शन प्राप्त किया।कार्यक्रम के सफल आयोजन में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं उद्योग-अकादमिक एकीकरण तथा कौशल, उद्यमिता एवं रोजगार प्रकोष्ठ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, अधिकारी-कर्मचारीगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में आयोजन से जुड़े सभी अतिथियों, विषय-विशेषज्ञ, प्राध्यापकगण, अधिकारी-कर्मचारीगण एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।